मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–002

एम. ए. (ज्योतिष) (एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.जे.वाई.-002 : सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. सिद्धान्त ज्योतिष का परिचय विस्तारपूर्वक लिखिए।

2. ग्रह गति विवेचना पर विस्तृत आलेख लिखिए।

3. भारतीय ज्योतिष में काल की क्या अवधारणा है ? विस्तृत निबन्ध लिखिए।

4. ग्रह स्पष्टीकरण की भारतीय अवधारणा पर सुविस्तृत निबन्ध लिखिए।

5. भचक्र व्यवस्था एवं ग्रहकक्षा पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

6. सूर्यादि ग्रहों के भगण मानों पर भारतीय ज्योतिष का चिन्तन सुविस्तृत रूप से प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. गोलबन्धाधिकार पर चर्चा करते हुए गोलज्ञान के महत्त्व को बताइए।

2. भूव्यास एवं स्पष्ट भूपरिधि साधन की विवेचना कीजिए।

3. क्रान्ति, अक्षांश एवं देशान्तर क्या हैं ? संक्षिप्त परिचय देते हुए इनका महत्व बताइए।

4. मूर्त्त काल क्या है ? चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

5. ब्रह्म एवं दिव्य मानों पर टिप्पणी लिखिए।

6. प्राजापत्य, बार्हस्पत्य एवं नाक्षत्र मानों पर टिप्पणी लिखिए।

7. अधिमास एवं क्षयमास व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

8. मध्यम ग्रह साधन पर टिप्पणी लिखिए।

× × × × ×